[Shri Chintamani Panigrahi (Bhubaneswar]

the following measures immediately in order to give a boost to tourism in Orissa :

1. Boeing link should be provided daily between Bhubaneswar and Delhi.

2 Foreign tourists have emphasised on the need of the being between Calcutta and Madras touching Bhubaneswar so that Bhubaneswar is connected with Madras which is an important landing point of foreign tourists and businessmen.

3. Bhubaneswar, the capital of Orissa, should be linked by middle level air service daily with areas like Sambalpur, Rourkela, Jeypore Jashipur and Korapet.

4. Bhubaneswar airport should be strengthened.

5. Flood-lighting system should be provided at the selected archeological monuments of the State.

6. Ropeway should be provided between Khandagiri and Udaygiri.

(vii) failure of trains in Allahbad, Mirzapur and Pratapgarh causing brought conditions.

श्री बी० डी० सिंह (फूलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, आज जब देश के अनेक भाग बाढ़ की विभीषिका से त्रस्त हैं, तो देश के कई हिस्सों में सूखे से स्थिति भयावह हो रही है। वैसे तो पर्याप्त वर्षा देश के कई क्षेत्रों में नहीं हुई है, परन्तु उत्तर प्रदेश के जनपद इलाहाबाद तथा समीपवर्ती जनपदों मिर्जापुर, प्रतापगढ़, सुलतानपुर, फतेहपुर, बांदा आदि में अब तक नाममात्र की ही वर्षा हुई है, जिससे इन जनपदों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई है। खरीफ की फसलें, विशेषकर धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हो रही है। विडम्बना यह है कि कहीं-कहीं नहरों में पानी नहीं आ रहा है, जिससे धान की रोपाई नहीं हो पा रही है। दो-नेलाई सरकारी नलकूप खराब पड़े हैं। शेष में अधिकांश नालियां अस्त-व्यस्त पड़ी हैं विद्युत आपूर्ति नितान्त अपर्याप्त एवं अनियमित हैं। ऐसी स्थिति में किसान बहुत ही क्षुब्ध हैं।

मैं माननीय कृषि मंत्री से निवेदन करूंगा कि वे अविलम्ब उत्तर प्रदेश सरकार से इस सम्बन्ध में सम्पर्क करके इलाहाबाद तथा समीप के जिलों में सूखे की स्थिति से निपटने के लिए सिंचाई तंत्र की पूरी क्षमता को उपलब्ध करायें तथा आवश्यक राहत कार्य प्रारम्भ किये जायें।

(viii) Scarcity of cooking gas in Patna

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष महोदय, पटना में हजारों व्यक्ति रसोई बनाने की गैस के चूल्हों का इस्तेमाल करते हैं। इधर कुछ महीनों से गैस सिलैंडरों की कमी के कारण पटना के नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस कमी के कारण कोयला डिपुओं ने भी कोयले का मूल्य बढ़ा दिया है और जलावन लायक कोयला आसानी से मिलता भी नहीं। ऐसी स्थिति में नागरिकों के कष्टों का अनुमान आसानी के साथ लगाया जा सकता है।

पटना अब काफी बड़ा शहर हो गया है, परन्तु बांकीपुर क्षेत्र को छोड़कर, पटना सिटी में केवल एक विक्रेता है, जिससे लोगों को गैस सिलैंडर मिलने में बहुत दिक्कत होती है। अतः जरूरत है कि पटना सिटी और पटना दक्षिण में गैस सिलैंडर विक्रेताओं की संख्या बढ़ाई जाये ताकि लोगों को सिलैंडर आसानी के साथ उपलब्ध हो सकें।

पटना के गैस-सिलैंडर उपभोक्ताओं को सिलैंडरों की सप्लाई सुदूर बनगाई गांव से की

जाती है जबकि, पटना से थोड़ी दूरी पर ही बरौनी तेल शोधक कारखाना अवस्थित है। यह अजीब बात है कि बरौनी से गैस-सिलैंडर अन्य स्थानों को भेजे जाते हैं और पटना को बनगाई गांव के रहमो-करम पर छोड़ दिया गया है। ऐसी स्थिति में पटना के नागरिकों को कष्ट होना अवश्यम्भावी है।

अतः मेरा ऊर्जा मंत्री से अनुरोध है कि वह पटना के नागरिकों को गैस-सिलैंडरों की की बरौनी से सप्लाई करने की व्यवस्था करें और पटना सिटी में एक से अधिक विक्रय केन्द्र खोले जायें। ऐसा कर के ही उन्हें परेशानियों से बचाया जा सकता है।

(ix) Need to instal a high power T.V. transmitter at Pali, Rajasthan

श्री मूलचन्द डागा : (पाली) उपाध्यक्ष महोदय, आजकल भारत में जगह-जगह महत्व-पूर्ण स्थानों पर पावर टी वी ट्रांसमीटर लग रहे हैं, परन्तु कई बड़े शहर इन से वंचित रह रहे हैं।

आज राजस्थान के कई शहरों में टी वी ट्रांसमीटर लग रहे हैं, और लगने वाले हैं पर-तु राजस्थान का पाली जैसा महत्वपूर्ण शहर, जहां म्युनिसिपल कार्पोरेशन काम कर रही है, जहां की आबादी एक लाख से ऊपर है, बड़ा उद्योग है, महाराजा उम्मेद मिल वहां लगा हुआ है, तथा 800 से अधिक लघु उद्योग वहां काम कर रहे हैं, जो श्रम शक्ति पर ही चल रहे हैं, टी वी ट्रांसमीटर लगाये जाने से छूट गया है।

इसके अलावा पाली शहर में बड़ा कालेज है और सभी विषय उस कालेज में पढ़ाये जाते हैं। कालेज के साथ-साथ 9 उच्च विद्यालय हैं और लड़कियों का उच्चतम माध्यमिक विद्यालय है। अन्य स्कूल भी काफी बड़ी संख्या में हैं। पाली के वस्त्रों की छपाई और रंगाई का काम हिन्दुस्तान में प्रसिद्ध है और इसका छपा हुआ कपड़ा निर्यात भी होता है।

आज पाली जिले में बड़े-बड़े सिंचाई के बांध हैं। सबसे ज्यादा रैवेन्यू राजस्थान में पाली जिला केन्द्र सरकार और राज्य सरकार को देता है। खेलों में भी लोगों की रुचि है। लाखों रुपये खुद जनता ने लगा कर स्पोर्टस क्लब की स्थापना की है। सभी तरह से और सभी दृष्टि से विकसित पाली जिला, इसमें सिंचाई की व्यवस्था है, 3,3 फसलें होती हैं, उद्योग का केन्द्र बन चुका है। यह राजस्थान के किसी भी जिले से पीछे नहीं है, उसको दूरदर्शन से वंचित कर के आम जनता के मन में एक बड़ी निराशा पैदा कर दी है।

आशा और विश्वास है कि सरकार सारी बातों का तुरन्त सर्वेक्षण कराकर पाली में शीघ्रातिशीघ्र हाई पावर टी वी ट्रांसमीटर लगवाने की व्यवस्था करेगी।

(x) Need to declare Kalamandalam as a tourist centre and start a cultural university there.

SHRI A K. Balan (Ottapalam) : From time immemorial Cheruthurithy has been the cradle of Kerala's cultural heritage. This significance assumes wider dimensions as the Kerala Kalamandalam shines as a glittering star in the milky way of Kerala's cultural mainstream.

It was on this soil that Vallathol Narayana Menon, the renowened and well reputed poet laureate was born to inspire the Malayaees by his patriotic verses, which depict the heroic struggle of Indian Independence and the cherished values of national integration.

It was to commemorate his contribution in both literary and cultural fields, that Cheruthuruthy was renamed as Vallathol Nagar. The Kerala Kalamandalam, which was founded by the poet, laureate has been the saviour of the fading classical fine arts of ancient